

अध्याय - 6 | प्राकृतिक संकट एवं आपदाएँ

1. सूखे का एक प्रमुख लक्षण क्या है?

- A. अत्यधिक वर्षा
- B. लंबे समय तक कम वर्षा
- C. लगातार हिमपात
- D. तेज आंधी (B)

व्याख्या: सूखे का मुख्य लक्षण लंबे समय तक कम वर्षा होना है।

2. मिट्टी में आर्द्रता की कमी किस प्रकार के सूखे से संबंधित है?

- A. जलविज्ञान संबंधी सूखा
- B. पारिस्थितिक सूखा
- C. कृषि सूखा
- D. मौसम विज्ञान संबंधी सूखा (C)

व्याख्या: कृषि (भूमि-आर्द्रता) सूखे में मिट्टी की नमी कम होने से फसलें मुरझाती हैं।

3. जल संग्रहण और जलाशयों के स्तर में कमी किस प्रकार के सूखे को दर्शाती है?

- A. कृषि सूखा
- B. जलविज्ञान संबंधी सूखा
- C. पारिस्थितिक सूखा
- D. मौसम विज्ञान संबंधी सूखा (B)

व्याख्या: जलविज्ञान संबंधी सूखा जलाशयों, भूजल और झीलों के स्तर में कमी से संबंधित है।

4. पारिस्थितिक सूखे का परिणाम क्या होता है?

- A. वर्षा में अचानक वृद्धि
- B. पारिस्थितिक तंत्र की उत्पादकता में कमी
- C. भूमि का क्षरण रुक जाना
- D. फसलों का अत्यधिक उत्पादन (B)

व्याख्या: पारिस्थितिक सूखे में जल की कमी से पारिस्थितिक तंत्र की उत्पादकता घटती है।

5. भारत का कितने प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र सूखे से प्रभावित है?

- A. 5%
- B. 10%
- C. 19%
- D. 40% (C)

व्याख्या: भारत के लगभग 19% भौगोलिक क्षेत्र को सूखा प्रभावित बताया गया है।

6. अत्यधिक सूखा प्रभावित क्षेत्र कौन सा है?

- A. कोंकण तट
- B. अरावली के पश्चिम का मरुस्थलीय भाग
- C. हिमालय का दक्षिणी ढाल
- D. पंजाब का मैदान (B)

व्याख्या: अत्यधिक सूखा प्रभावित क्षेत्र में राजस्थान का पश्चिमी मरुस्थल और गुजरात का कच्छ क्षेत्र शामिल हैं।

7. अकाल का एक लक्षण क्या है?

- A. हिमपात की अधिकता
- B. वनस्पतियों का तेजी से बढ़ना
- C. अन्न की कमी
- D. वर्षा का बढ़ना (C)

व्याख्या: अकाल की पहचान फसलों के नष्ट होने और अन्न की कमी से होती है।

8. सूखे के नकारात्मक प्रभावों में से एक कौन-सा है?

- A. पशु संख्या में वृद्धि
- B. प्रवास में कमी
- C. पेयजल संबंधी बीमारियों में वृद्धि
- D. खाद्य उत्पादन बढ़ना (C)

व्याख्या: सूखे के दौरान हैजा, आंत्रशोथ, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियाँ बढ़ती हैं।

9. सूखा निवारण में दीर्घकालिक उपाय कौन सा है?

- A. अस्थायी पेयजल वितरण
- B. राहत शिविर स्थापित करना
- C. भूजल भंडारण का पता लगाना
- D. भोजन पैकेट वितरित करना (C)

व्याख्या: दीर्घकालिक उपायों में भूजल भंडारण का पता लगाना शामिल है।

10. वर्षा जल संचयन का क्या महत्व है?

- A. सूखे की तीव्रता बढ़ाना
- B. जल की बर्बादी बढ़ाना
- C. सूखे के प्रभाव को कम करना
- D. नदियों में बाढ़ लाना (C)

व्याख्या: वर्षा जल संचयन सूखे के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।